भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 655
गुरूवार, 28 नवम्बर, 2024/ 7 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

पठानकोट विमानपत्तन का उन्नयन

655. श्री सुखजिंदर सिंह रंधावाः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा पठानकोट विमानपत्तन के उन्नयन हेतु कार्ययोजना का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त विमानपत्तन से वर्तमान में संचालित की जा रही विभिन्न उड़ानों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का उड़ान योजना अथवा किसी अन्य योजना के अंतर्गत दिल्ली से पठानकोट के लिए कोई नई विमान सेवा संचालित करने का विचार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): भारतीय वायु सेना के स्वामित्व वाले पठानकोट हवाईअड्डे को क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस- उड़ान) के तहत बोली प्रक्रिया के पहले दौर के दौरान 3.92 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है।

(ख) से (घ): दिल्ली - पठानकोट - दिल्ली मार्ग एलाइंस एअर द्वारा 05.04.2018 को शुरू किया गया था और वीजीएफ कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे होने के बाद इसे बंद कर दिया गया था। उड़ान योजना एक सतत योजना है, जहां अधिक गंतव्यों/स्टेशनों और मार्गों को कवर करने के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया के दौर आयोजित किए जाते हैं। विशिष्ट मार्गों पर मांग के अपने आकलन के आधार पर, इच्छुक एयरलाइनें, उड़ान योजना के तहत बोली प्रक्रिया के समय अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। मार्ग आवंटित होने पर उन्हें प्रचालनिक किया जा सकता है। इसके अलावा, यातायात और व्यावसायिक व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए कोई भी एयरलाइन पठानकोट और दिल्ली के बीच अनुसूचित वाणिज्यिक प्रचालन शुरू कर सकती है।

******